अंतरिक्ष आधारित अवलोकनों का प्रयोग करते हुए कृषि अनुप्रयोग"

पर टीआरईईएस कार्यक्रम

भू-पारिस्थितिकीतंत्र अनुसंधान एवं प्रशिक्षण प्रभाग (ईआरटीडी)

वेदास अनुसंधान समूह (वीआरजी), ईपीएसए/सैक दिनांक : 21-25 जनवरी, 2019

"अंतरिक्ष आधारित अवलोकनों का प्रयोग करते हुए कृषि अनुप्रयोग" पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देशभर के 20 संस्थानों/संगठनों के 26 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

उपग्रह आधारित कृषि अनुप्रयोगों तथा संबद्ध क्षेत्रों के विविध पहलुओं को सम्मिलित करते हुए लगभग 12 व्याख्यान दिए गए। सुदूर संवेदन के व्याख्यानों में सुदूर संवेदन के मूल सिद्धांत और उनके व्यापक अनुप्रयोग, प्रतिबिंब प्रसंस्करण फसल वर्गीकरण का मूल, फसल सांख्यिकीय, कृषि मौसमविज्ञान अनुप्रयोग तथा दुग्ध विकास के लिए चारा फसल आकलन पर व्याख्यान शामिल थे।

कृषि, सूक्ष्म तरंग अनुप्रयोग के लिए सुदूर संवेदन के सार एवं अति स्पेक्ट्रमी के विशेष अनुप्रयोग पर प्रकाश डाला गया। प्रकाशीय तथा सार के अलावा, क्षेत्रीय फसल उत्पाद मॉडलिंग भूस्थानिक अनुप्रयोगों के संबद्ध क्षेत्रों तथा बागवानी फसल बीमा अनुप्रयोग, और मोबाइल डेटा संचयन अनुप्रयोग, वेदास पर लाइव प्रदर्शन को भी शामिल किया गया। प्रकाशीय सुदूर संवेदन, सार आधारित फसल वर्गीकरण, फसल प्रतिबल, फसल उत्पादन मॉडलिंग तथा उत्पाद उपयोगिता का प्रयोग प्रतिबिंब प्रसंस्करण एवं फसल वर्गीकरण पर बारह घंटों के तीन ट्यूटोरियल/प्रयोग आयोजित किए गए, जिससे प्रतिभागी सैद्धांतिक पहलुओं का विश्लेषण कर सकें।

प्रतिभागियों ने पाठ्यसामग्री और उसके प्रस्तुतीकरण की खूब सराहना की। प्राप्त फीडबैक उत्साहजनक रहे; कई प्रतिभागियों ने टीआरईईएस अनुसंधान कार्यक्रम का हिस्सा बनने की इच्छा जताई।